निजी लाभ

पति की दबंगई : पूर्व में शिकायत के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई, अब मुख्यमंत्री और पंचायत मंत्री तक पहुंची गूंज

निजी 5 एकड़ जमीन के रास्ते के लिए बनवा रहे अवैध पुलिया

नवभारत, सिहोरा/ मझौली, जबलपुर। सिहोरा अनुभाग के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रौसरा में पद और प्रभाव के दुरुपयोग का एक गंभीर मामला सामने आया है। यहाँ सरपंच पति दुर्गेश पटेल पर अपने निजी परिवार जनों को लाभ पहुँचाने और शासकीय नियमों को ताक पर रखकर अवैध पुलिया निर्माण कराने के गंभीर आरोप लगे हैं।

मामले की शिकायत ग्रामीणों द्वारा अनुविभागीय अधिकारी (स्छरू) सिहोरा सहित सूबे के मुखिया और पंचायत मंत्री से की गई है।

ठेकेदार के जरिए 'प्राइवेट' काम, स्थानीय मजदूरों को नहीं मिला रोजगार

शिकायत में यह भी खुलासा हुआ है कि यह पूरा निर्माण कार्य ठेकेदार हीरा चक्रवर्ती के माध्यम से निजी मजदूरों को लगाकर कराया जा रहा है। स्थानीय मजदूरों को इस कार्य से पूरी तरह दूर रखा गया है। मौके पर काम कर रहे लोगों का कहना है कि इसके लिए कोई शासकीय मस्टर रोल जारी नहीं हुआ है और भुगतान पूरी तरह से निजी (कैश) रूप से किया जा रहा है, जो सीधे तौर पर इस निर्माण के अवैध होने की पुष्टि करता है।

पद का दुरुपयोग और शासकीय नियमों की अवहेलना

आवेदक रामसहाय काछी एवं अन्य ग्रामीणों के अनुसार, सरपंच पति द्वारा अपने रसूख का इस्तेमाल करते हुए अपनी निजी 5 एकड़ लगानी भूमि के रास्ते के लिए इस पुलिया का निर्माण कराया जा रहा है। इस निर्माण कार्य में न तो शासन के तय प्रावधानों का पालन किया जा रहा है और न ही इसके लिए कोई वैध मस्टर रोल जारी हुआ है।

जल निकासी प्रभावित, फसलों पर मंडराया संकट

ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि इस अवैध पुलिया के निर्माण से क्षेत्र की प्राकृतिक जल निकासी (नाला) का मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो रहा है। इसके कारण आने वाले समय में गाँव में जलभराव की स्थिति निर्मित होगी, जिससे ग्रामीणों के घरों, संपत्तियों और किसानों की फसलों को भारी नुकसान होना तय है।

प्रशासन की सुस्ती पर उठे सवाल, पूर्व की शिकायत पर नहीं हुई जांच

हैरानी की बात यह है कि इस मामले को लेकर ग्रामीणों द्वारा पूर्व में 21 अप्रैल 2026 को भी अनुविभागीय अधिकारी सिहोरा को लिखित आवेदन देकर अवगत कराया गया था। लेकिन प्रशासनिक उदासीनता के चलते करीब एक महीने बाद भी धरातल पर कोई जांच या कार्रवाई नहीं हुई, जिससे हौसले बुलंद कर निर्माणकर्ता मनमर्जी और दबंगई पूर्वक कार्य को अंजाम दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री और पंचायत मंत्री से गुहार

प्रशासनिक स्तर पर सुनवाई न होने से क्षुब्ध होकर अब ग्रामीणों ने आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है। 18 मई 2026 को पुन: अनुविभागीय अधिकारी को अल्टीमेटम देते हुए इस शिकायत की प्रतिलिपि माननीय मुख्यमंत्री, पंचायत मंत्री, जिला पंचायत ष्टश्वह और कलेक्टर जबलपुर को सूचनार्थ भेजी गई है। ग्रामीणों ने मांग की है कि इस अवैध निर्माण को तत्काल प्रभाव से रोकते हुए शासकीय राशि और पद का दुरुपयोग करने वालों पर सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

इस संबंध में जब जिम्मेदार अधिकारियों से संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो उनकी ओर से जांच के बाद कार्रवाई का रटा-रटाया जवाब सामने आया है। अब देखना यह होगा कि मुख्यमंत्री तक मामला पहुँचने के बाद सिहोरा प्रशासन इस पर क्या कदम उठाता है।

यह काम ग्राम पंचायत का है : सचिव

जब इस पुलिया के निर्माण को लेकर ग्राम पंचायत के सचिव रामकुमार से बात कि तो उन्होंने बताया कि यह कार्य ग्राम पंचायत के द्वारा करवाया जा रहा है।

इनका कहना है

आपके माध्यम से जानकारी प्राप्त हुई है, इस निर्माण कार्य की जांच करवाई जाएगी एवं दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

ललित ग्वाल वंशी, तहसीलदार पोंडा

सिकंदराबाद-दानापुर एक्सप्रेस में अचानक धुआं उठने से मचा हड़कंप

जबलपुर, नवभारत। नागपुर रेल मंडल के घोड़ाडोंगरी रेलवे स्टेशन पर जबलपुर की ओर आ रही सिकंदराबाद-दानापुर एक्सप्रेस (12791) के एस-7 स्लीपर कोच के पहियों से अचानक धुआं उठने लगा। ब्रेक बाइंडिंग के कारण हुई इस घटना से यात्रियों में दहशत फैल गई और कई लोग ट्रेन से नीचे उतर आए।

हालांकि, आरपीएफ और रेलवे स्टाफ ने तत्परता दिखाते हुए फायर एक्सटिंग्विशर की मदद से स्थिति पर काबू पा लिया, जिसके बाद ट्रेन को सुरक्षित आगे रवाना किया गया। बताया जाता है कि सोमवार रात करीब 9:48 बजे ट्रेन जैसे ही घोड़ाडोंगरी स्टेशन पहुंची, एस-7 कोच के पहियों से तेज धुआं निकलता दिखा। मौके पर गश्त कर रहे आरपीएफ जवान आंतरिक शर्मा ने तुरंत इसकी सूचना डिप्टी स्टेशन अधीक्षक को दी। आरपीएफ पोस्ट बैतूल के प्रभारी राजेश बनकर ने बताया कि स्टेशन पर मौजूद फायर सिलेंडर और पेंट्री कार के अग्निशमन उपकरणों का उपयोग कर गर्म पहियों की कूलिंग की गई।

जांच के बाद रवाना हुई ट्रेन

घटना की सूचना मिलते ही पॉइंट्समैन और अन्य रेलवे कर्मचारी भी घटनास्थल पर पहुंच गए। कर्मचारियों ने तकनीकी खराबी को सुधारा और ब्रेक पैड को सामान्य स्थिति में लाया। पूरी सुरक्षा जांच सुनिश्चित करने के बाद रात 10 :07 बजे ट्रेन को आगे के लिए रवाना किया गया। इस पूरी प्रक्रिया के चलते ट्रेन लगभग 19 मिनट तक स्टेशन पर खड़ी रही। वही रेलवे अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यह घटना ब्रेक बाइंडिंग (ब्रेक पैड चिपकना) के कारण हुई थी। दरअसल, मरामझिरी, धाराखोह और घोड़ाडोंगरी के घाट सेक्शन में लगातार डाउन ग्रेड (ढलान) होने के चलते ट्रेनों में बार-बार ब्रेक का इस्तेमाल करना पड़ता है। लगातार घर्षण के कारण पहिए अत्यधिक गर्म हो जाते हैं और धुआं उठने लगता है।

प्रज्ञाधाम मंदिर से चांदी का कलश चोरी

घटना सीसीटीवी में कैद

नवभारत, कटंगी। कटंगी स्थित प्रज्ञाधाम मंदिर में एक बार फिर चोरों के निशाने पर है। चोर मंदिर के अंदर से कलश चोरी कर भाग निकला। यह सारा घटनाक्रम सीसीटीवी में कैद हो गया। मंदिर में चोरी होने की खबर क्षेत्र में आग की तरह फैल गई।

देखते ही देखते कई लोग एकत्र हो गए, जिन्होने घटना पर आक्रोश जताया है।बताया गया है कि कटंगी के प्रज्ञाधाम मंदिर के मुख्य दरवाजे को तोड़कर अंदर घुसा चोर सीधे भगवान भोलेनाथ के ऊपर लगा चांदी का कलश निकालकर भाग निकला। इसके बाद उसने बाहर रखी दानपेटी में रखे रुपए निकालकर भाग निकला। मंदिर

प्रबंधन के लोगों ने सीसीटीवी चेक किया तो उसमें साफ दिखाई दे रहा है कि जूते पहनकर मंदिर के अंदर घुसा युवक कलश चोरी करने के बाद भागा है। मंदिर में इसके पहले भी चोरी की वारदात हुई है, जिससे क्षेत्रीय लोगों में आक्रोश व्याप्त है। लोगों का कहना है कि प्रज्ञाधाम मंदिर लोगों के आस्था का केन्द्र है, यहां पर हुई चोरी की वारदात को पुलिस गंभीरता से लेते हुए कार्यवाही करे। वहीं पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की तलाश की जा रही है, वह जल्द ही सलाखों के पीछे होगा।

संतोष चौरसिया का निधन

नवभारत, कटंगी। कटंगी नगर के प्रतिष्ठित नागरिक संतोष

चौरसिया (68 वर्ष) का लम्बी बीमारी के बाद कल रात 9.30 बजे निधन हो गया, निधन की खबर फैलते ही नगर में शोक व्याप्त हो गया। आप कपिल चौरसिया, अंकित चौरसिया के पिता एवं हरी चौरसिया, राजेश चौरसिया, सुधेश चौरसिया व डॉ नरेश चौरसिया के भाई थे। आज हिरन नदी स्थित मुक्तिधाम में प्रात: अंतिम संस्कार दौरान सभी वर्ग के लोग बड़ी संख्या में शामिल रहे ।

किसानों के खेतों पर पहुंच कर सिखाया सोखता गड्ढा बनाने का तरीका

जल संचय जन भागीदारी अभियान का आगाज : पाटन में कार्यशाला के साथ शुरू हुआ जल संचय का मिशन

नवभारत, पाटन। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में आज विकासखंड पाटन में 'जल संचय जन भागीदारी' अभियान का विधिवत शुभारंभ हुआ। अनुविभागीय कृषि अधिकारी कार्यालय में आयोजित एक विशेष कार्यशाला में क्षेत्र के प्रगतिशील कृषकों को जल संरक्षण की महत्ता के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। जिसमें बोरवेल और कुआं पुनर्भरण, वर्षा जल संचयन, मृदा और जल संरक्षण एवं सतही जल संरचनाएं इस कार्यशाला के मुख्य बिंदु रहे। कार्यशाला के दौरान कृषकों को संबोधित करते हुए अधिकारियों ने बताया कि जिले में जल स्तर को बनाए रखने के लिए जन भागीदारी अनिवार्य है। इस अवसर पर अनुविभागीय कृषि अधिकारी डॉ इंदिरा त्रिपाठी एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री पंकज श्रीवास्तव समेत पाटन विकासखंड की कृषि विभाग की संपूर्ण टीम सक्रिय रूप से उपस्थित रही। किसानों ने शासन की इस पहल की सराहना करते हुए जल संरक्षण के इस मिशन में पूर्ण सहयोग का संकल्प लिया।

खेतों पर हुआ सीधा संवाद

कार्यशाला के तुरंत बाद विभागीय टीम ने क्षेत्र के कृषक दशरथ गोंड एवं कार्तिक यादव के खेतों का दौरा किया। यहाँ नलकूपों के पास वैज्ञानिक विधि से सोखता गड्ढा बनाने की प्रक्रिया का प्रत्यक्ष प्रदर्शन किया गया और किसानों को इसे अपनाने हेतु प्रेरित किया गया। अभियान का नेतृत्व अनुविभागीय कृषि अधिकारी डॉ. इंदिरा त्रिपाठी ने किया। उन्होंने बताया कि यह अभियान शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है और इसकी प्रतिदिन समीक्षा की जा रही है।

हिरण नदी के पुनर्जीवन का प्रयास बना जन-जन का संकल्प

जल संरक्षण की नौ दिवसीय यात्रा : शहपुरा के पावला और जुगपुरा में उमड़ा जनसैलाब

नवभारत, जबलपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जल संवर्धन और नदी पुनरुद्धार के संकल्प को साकार करते हुए जिले में संचालित नौ दिवसीय मां हिरण नदी जल संवर्धन अभियान अपने समापन के बेहद करीब पहुंच गया है। आगामी 20 मई तक चलने वाला यह महाअभियान अब पूरी तरह से एक जन-आंदोलन का रूप ले चुका है। समापन के ठीक एक दिन पहले, जब 198 किलोमीटर की लंबी दूरी तय कर यह चेतना यात्रा जनपद पंचायत शहपुरा की ग्राम पंचायत पावला और इसके आश्रित ग्राम जुगपुरा पहुंची, तो स्थानीय ग्रामीणों ने भव्य और आत्मीय स्वागत किया। कुण्डेश्वरधाम से शुरू होकर जुगपुरा संगम तक फैले इस पूरे मार्ग पर भक्ति, अभूतपूर्व उत्साह और पर्यावरण जागरूकता का एक अनूठा व प्रेरणादायी माहौल नजर आया। जुगपुरा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष आशा मुकेश गोंटिया, कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह, सीईओ जिला पंचायत अभिषेक गहलोत, एसडीएम मदन रघुवंशी, सीईओ जनपद पंचायत सौम्या जैन, जन अभियान परिषद के जिला समन्वदयक रायपुरिया सहित अन्य अधिकारी व स्थानीयजन मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरूआत मां हिरन नदी के समागम स्थरल पर पूजन-अर्चन व आरती से हुई।

कुण्डेश्वरधाम से जुगपुरा संगम तक 38 पंचायतों से गुजरी चेतना यात्रा

अभियान की प्रगति और इसकी रूपरेखा की तकनीकी जानकारी देते हुए जिला पंचायत सीईओअभिषेक गहलोत ने बताया कि सामाजिक और सांस्कृतिक जन-जागृति के पावन उद्देश्य से शुरू हुई यह यात्रा अब अपने अंतिम पड़ाव पर है। यह यात्रा हिरण नदी के उद्गम स्थल कुण्डलेश्वर से प्रारंभ होकर जनपद पंचायत शहपुरा की ग्राम पंचायत पावला के आश्रित ग्राम जुगपुरा में नर्मदा नदी के पावन संगम पर समाप्त होगी। नौ दिनों के इस सफर में यात्रा ने जिले की कुल 38 ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण का संदेश दिया, जिसमें कुण्डम की 7, सिहोरा की 7, पनागर की 7, मझौली की 2, पाटन की 8 और शहपुरा की 7 ग्राम पंचायतें शामिल हैं। वहीं यात्रा के दौरान ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए एक विशेष डिजिटल रथ और नुक्कड़ नाटक की टीम लगातार साथ चलती रही, जो ग्रामीण अंचलों में आकर्षण का केंद्र बनी रही। पावला में आयोजित जल संवाद कार्यक्रम के दौरान नाट्य लोक संस्था के कलाकारों ने हिरण नदी के गौरवशाली इतिहास और उसकी वर्तमान गाथा पर एक अत्यंत भावुक और मनमोहक नाटक की प्रस्तुति दी।

कमल किशोर सिन्हा ने ग्रहण किया पदभार

बिलासपुर, नवभारत। कमल किशोर सिन्हा ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक का पदभार मंगलवार को ग्रहण किया है। वे 1995 बैच के भारतीय रेल ट्रैफिक सेवा अधिकारी थे। श्री सिन्हा इसके पूर्व दक्षिण पूर्वी रेलवे कोलकाता में प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। उन्होने पूर्व मध्य रेलवे के महत्वपूर्ण रेल मंडल धनबाद में मंडल रेल प्रबंधक जैसे प्रतिष्ठित पद पर भी कार्य किया है।

किसानों को सिखाए गए प्राकृतिक खेती के गुर

कृषि रथ ने किया पाटन के चार गांवों का भ्रमण

नवभारत, जबलपुर। राज्य शासन द्वारा वर्ष 2026 को 'कृषि वर्ष' के रूप में मनाए जाने के उपलक्ष्य में कृषि रथ किसानों को आधुनिक और वैज्ञानिक तकनीकों से जोड़ने के लिए लगातार गांवों का भ्रमण कर रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को विकासखंड पाटन की चार ग्राम पंचायतों-उजरोड़, नुनसर, रोझा और सेमरा में कृषि रथ पहुँचा, जहाँ किसानों ने इसका उत्साहपूर्वक स्वागत किया।

कृषि रथ के भ्रमण के दौरान कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा किसानों के कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए गए। मौके पर ही किसानों के खसरे को एग्रीस्टेक पोर्टल से जोड़ा गया तथा किसानों को खाद और उर्वरक की उपलब्धता आसान बनाने के लिए ई-विकास पोर्टल के माध्यम से टोकन जनरेट करने की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही किसानों की खेती-किसानी से जुड़ी विभिन्न समस्याओं का त्वरित समाधान भी कृषि अधिकारियों ने किया।

कृषि रथ के माध्यम से किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित भी किया गया। इस दौरान ग्राम उजरोड़ के प्रगतिशील कृषक मोहनलाल पटेल के खेत पर जीवामृत बनाने का जीवंत प्रदर्शन भी किया गया। किसानों को बताया गया कि किस तरह बिना रसायनों के बेहतर उत्पादन लिया जा सकता है। जीवामृत बनाने के जीवंत प्रदर्शन से प्रेरित होकर किसान मोहनलाल पटेल ने तुरंत प्राकृतिक खेती की शुरुआत करने का संकल्प लेकर मौके पर मौजूद किसानों के समक्ष प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया। कृषि रथ के भ्रमण के दौरान वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी पंकज श्रीवास्तव, कृषि विस्तार अधिकारी सीमा राउत, अंकिता गुप्ता एवं अवधेश हल्दकार तथा पशुपालन विभाग से एवीएफओ अंसारी उपस्थित रहे।

मनमानी | गौरहा स्थित सपना संगठन दर्शनी केंद्र में किसानों से की जा रही अतिरिक्त वसूली

किसानों से तौल में ले रहे साढ़े सात सौ ग्राम अधिक गेंहूं

सिहोरा, नवभारत। समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी को लेकर एक बार फिर व्यवस्थाओं की पोल खुलती नजर आ रही है। गौरहा स्थित सपना ग्राम संगठन मझौली के खरीदी केंद्र में किसानों से निर्धारित मानकों के विपरीत अधिक तौल लेने का मामला सामने आया है, जिससे किसानों में भारी नाराजगी देखी जा रही है।

स्थानीय किसानों के अनुसार, शासन द्वारा निर्धारित मानक के तहत एक बोरी गेहूं का वजन 50 किलो 200 ग्राम होना चाहिए, लेकिन खरीदी केंद्र में 50 किलो 300 ग्राम से लेकर 760 ग्राम तक अतिरिक्त तौल ली जा रही है। और साथ ही 11 रुपए पर कट्टी से पैसा लिया जा रहा है

उठाना पड़ रहा आर्थिक नुकसान

किसानों का कहना है कि यह सीधे-सीधे नियमों का उल्लंघन है और उनके साथ अन्याय किया जा रहा है। किसानों ने आरोप लगाया कि बार-बार शिकायत के बावजूद इस ओर कोई ठोस प्रशासनिक कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिससे खरीदी केंद्र संचालकों के हौसले बुलंद हैं।

अतिरिक्त तौल के कारण किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है, जो पहले ही मौसम और लागत के दबाव से जूझ रहे हैं।

किसानों ने की दोषियों पर कार्रवाई की मांग

मामले को लेकर किसानों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि तत्काल जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए और खरीदी प्रक्रिया को पारदर्शी व नियमों के अनुरूप सुनिश्चित किया जाए। अब देखना होगा कि प्रशासन इस गंभीर शिकायत पर कब तक संज्ञान लेता है और किसानों को राहत दिलाने के लिए क्या कदम उठाता है।

बीच चौराहे हुई मारपीट के मामले में केस डायरी तलब

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने बीच चौराहे हुई मारपीट के मामले में मंडला पुलिस को केस डायरी पेश करने के निर्देश दिये है।

जस्टिस एके निरंकारी की एकलपीठ ने मामले की अगली सुनवाई ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद निर्धारित की है। दरअसल यह मामला मंडला निवासी प्रकाश मिश्रा एवं वीरेंद्र चौहान की ओर से दायर किया गया है। जिनकी ओर से अधिवक्ता निखिल तिवारी एवं जीशान मालिक ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि प्रकाश के साथ 20 जुलाई 2025 में बीच चौराहे मारपीट हुई थी। घटना के संबंध में आवेदक द्वारा मारपीट के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई थी। मामले में निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने हेतु आवेदक द्वारा आरटीआई के तहत संबंधित चौराहे एवं कोतवाली पुलिस थाना मंडला परिसर की सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराने के लिए आवेदन किया गया था। पुलिस अधीक्षक एवं थाना प्रभारी द्वारा उक्त सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध नहीं कराई गई। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरे बंद हैं। याचिका में चौराहे एवं पुलिस स्टेशन की सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने एवं प्रस्तुत करने की मांग की गई। जिसके बाद न्यायालय ने उक्त निर्देश दिये।

कौशल विकास प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत युवाओं से आवेदन आमंत्रित

जबलपुर। मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा संचालित कौशल विकास प्रशिक्षण योजना के तहत विभिन्नक ट्रेडो में प्रशिक्षण हेतु 18 से 45 वर्ष के युवाओं से 12 जून तक ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा वर्ष 2026-27 में 39 ट्रेडों में युवाओं को नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रशिक्षण आवासीय होगा तथा प्रशिक्षणार्थियों को भोजन एवं आवास की नि:शुल्क सुविधा दी जायेगी। प्रभारी प्रबंधक खादी ग्रामोद्योग ने बताया कि आवेदन केवल एमपी खादी ग्रामोद्योग डॉट कॉम पर ही स्वीकार किए जाएंगे।